॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ऋणमोचन मङ्गल स्तोत्रम्

Rin Mochan Mangal Stotra

श्रीस्कन्दपुराण में भार्गव-प्रोक्त — 12 श्लोक, 18 नाम

संस्कृत पाठ हिंदी अर्थ

ऋण मोचन मंगल स्त्रोत वह दिव्य स्तुति है जो भगवान मंगल देव की नामावली के माध्यम से साधक के जीवन में फैले ऋण, दरिद्रता और कर्ज के बोझ को हल्का करने की भावना से रची गई है। जब धन की तंगी हो, कर्ज चुकाने का मार्ग न दिखे और मन निरंतर चिंता में डूबा रहे — तब यह स्तोत्र श्रद्धा का सहारा बनता है।

मंगल देव के 18 पुराणिक नाम

नाम	अर्थ
मंगल	शुभ और मंगलकारी
भूमिपुत्र	पृथ्वी के पुत्र
ऋणहर्ता	ऋण का हरण करने वाले
धनप्रद	धन देने वाले
स्थिरासन	स्थिर और दृढ़ आसन वाले
महाकाय	विशाल देहधारी
सर्वकर्मावरोधक	समस्त कर्मों की रुकावट हटाने वाले
लोहित	लाल वर्ण वाले
लोहिताक्ष	लाल नेत्रों वाले
सामगानां कृपाकर	सामगान करने वालों पर कृपा करने वाले
धरात्मज	पृथ्वी की आत्मा से जन्मे
कुज	पृथ्वी से प्रकट हुए
भौम	पृथ्वी-तत्त्व से युक्त
भूतिद	समृद्धि देने वाले

भूमनिंदन	भूमि को आनंद देने वाले
अंगारक	अग्नि जैसी दीप्ति वाले
यम	धर्म के पालन कराने वाले
सर्वरोगापहारक	सभी रोगों का नाश करने वाले

॥ ऋणमोचन मङ्गल स्तोत्रम् — संपूर्ण पाठ ॥

॥ श्लोक 1 ॥

मङ्गलो भूमपुित्रश्च ऋणहर्ता धनप्रदः ।
स्थिरासनो महाकायः सर्वकर्मावरिोधकः ॥ 1 ॥

Transliteration:

Mangalo Bhumiputrashcha Rnaharta Dhanapradah |
Sthirasano Mahakayah Sarvakarmavirodhakah ||

English Meaning:

He is Mangala — the auspicious one, the son of Earth, the remover of all debts and the bestower of wealth. He is of steady posture, of immense form, and the one who clears all obstacles standing in the way of one's actions.

हिंदी अर्थ:

आप मंगल हैं — शुभकारी, भूमपुित्र, समस्त ऋणों को हरने वाले और धन प्रदान करने वाले। आप स्थिरि आसन वाले, महाकाय हैं और जीवन के प्रत्येक कार्य में आने वाली रुकावटों को दूर करते हैं।

॥ श्लोक 2 ॥

लोहतिो लोहतिाक्षश्च सामगानां कृपाकरः ।
धरात्मजः कुजो भौमो भूतदिो भूमनिन्दनः ॥ 2 ॥

Transliteration:

Lohito Lohitakshashcha Samaganam Krupakarak |
Dharatmajah Kujo Bhaumo Bhutido Bhuminandanah ||

English Meaning:

He is red in complexion with red eyes, and showers compassion upon those who chant the Sama hymns. He is the soul born of Earth — Kuja, Bhauma, the giver of prosperity, and the one who brings joy to the Earth.

हिंदी अर्थ:

आप लाल वर्ण और लाल नेत्रों वाले हैं। जो सामगान गाते हैं उन पर आपकी वशिष कृपा बरसती है। आप धरा की आत्मा से उत्पन्न कुज, भौम, समृद्धि के दाता और भूमनिंदन हैं।

॥ श्लोक 3 ॥

अङ्गारको यमश्चैव सर्वरोगापहारकः ।
वृष्टेः कर्ताऽपहर्ता च सर्वकामफलप्रदः ॥ 3 ॥

Transliteration:

Angakarako Yamashchaiva Sarvarogapaharakah |
Vristeh Karta Paharta Cha Sarvakamaphalapradah ||

English Meaning:

He is Angarak — fierce and luminous like embers. Like Yama, he upholds dharma. He removes all diseases, controls the rains at will, and grants the fruit of all desires.

हिंदी अर्थ:

आप अंगारक हैं — अग्नि के समान दीप्तिमान। यम की भांति धर्म का पालन कराने वाले। समस्त रोगों का नाश करने वाले, वर्षा को देने और रोकने में समर्थ, और सभी कामनाओं का फल देने वाले हैं।

॥ श्लोक 4 ॥ (प्रथम फलश्रुति)

एतानि कुजनामानि नित्यं यः श्रद्धया पठेत् ।
ऋणं न जायते तस्य धनं शीघ्रमवाप्नुयात् ॥ 4 ॥

Transliteration:

Etani Kujanamani Nityam Yah Shraddhaya Pathet |
Rinam Na Jayate Tasya Dhanam Shighramavapnuyat ||

English Meaning:

One who sincerely recites these names of Kuja (Mars) with faith each day shall never fall into debt, and wealth will come to them swiftly.

हिंदी अर्थ:

जो व्यक्ति प्रतिदिन श्रद्धापूर्वक कुज के इन नामों का पाठ करता है, उस पर ऋण का बोझ कभी नहीं पड़ता और धन की शीघ्र प्राप्ति होती है।

॥ श्लोक 5 ॥

धरणीगर्भ सम्भूतं विद्युत्कान्ति समप्रभम् ।
कुमारं शक्तिहस्तं च मङ्गलं प्रणमाम्यहम् ॥ 5 ॥

Transliteration:

Dharanigarbha Sambhutam Vidyutkanti Samaprabham |
Kumaram Shaktihastam Cha Mangalam Pranamamyaham ||

English Meaning:

I bow in reverence to Lord Mangala — born from the womb of the Earth, radiant as a lightning bolt, eternally youthful, and holding a spear (Shakti) in His hand.

हिंदी अर्थ:

मैं उन मंगल देव को प्रणाम करता हूं जो पृथ्वी की गोद से प्रकट हुए हैं, जिनकी दीप्ति बिजली जैसी चमकीली है, जो सदा युवा हैं और अपने हाथ में शक्ति-अस्त्र (भाला) धारण करते हैं।

॥ श्लोक 6 ॥

स्तोत्रमङ्गारकस्यैतत्पठनीयं सदा नृभिः ।
न तेषां भौमजा पीडा स्वल्पापि भवति क्वचित् ॥ 6 ॥

Transliteration:

Strotramangarkasyaitatpathaneeyam Sada Nribhih |
Na Tesham Bhaumaja Pida Svalpapi Bhavati Kvachit ||

English Meaning:

This hymn of Lord Angarak should always be recited by all human beings. Those who do so shall never experience even the slightest suffering caused by the malefic influence of Mars in their horoscope.

हिंदी अर्थ:

यह अंगारक का स्तोत्र मनुष्यों को सदा पढ़ते रहना चाहिए। जो इसका पाठ करते हैं, उन्हें मंगल ग्रह के दोष से उत्पन्न कोई भी कष्ट कभी नहीं सताता।

॥ श्लोक 7 ॥

अङ्गारक महाभाग भगवन्भक्तवत्सल ।
त्वां नमामि ममाशेषमृणमाशु विनाशय ॥ 7 ॥

Transliteration:

Angarak Mahabhaga Bhagavanbhaktavatsala |
Tvam Namami Mam Ashesham Rinam Ashu Vinashaya ||

English Meaning:

O most glorious Lord Angarak, O God who cherishes His devotees! I bow before you with full surrender. Please destroy all my debts completely and without delay.

हिंदी अर्थ:

हे महाभाग अंगारक! हे भक्तों पर अनुग्रह करने वाले भगवान! मैं आपको प्रणाम करता हूं। कृपया मेरे समस्त ऋणों को शीघ्र और सम्पूर्ण रूप से नष्ट कर दीजिए।

॥ श्लोक 8 ॥

ऋणरोगादिदारिद्र्यं ये चान्ये ह्यपमृत्यवः ।
भयक्लेशमनस्तापा नश्यन्तु मम सर्वदा ॥ 8 ॥

Transliteration:

Rinarogadidaridriyam Ye Chanye Hyapmrityavah |
Bhayakleshamanastapa Nashyantu Mama Sarvada ||

English Meaning:

May all my debts, diseases, poverty, risk of untimely death, fears, afflictions, and mental anguish be forever destroyed by your grace.

हिंदी अर्थ:

मेरे ऋण, रोग, दरिद्रता, अकाल मृत्यु का भय, समस्त क्लेश और मन की पीड़ा — ये सभी सदा के लिए नष्ट हो जाएं।

॥ श्लोक 9 ॥

अतविक्र दुरााध्य भोगमुक्त जतिात्मनः ।
तुष्टो ददासि साम्राज्यं रुष्टो हरसि तत्क्षणात् ॥ 9 ॥

Transliteration:

Ativakra Duraradhya Bhogamukta Jitatmanah |
Tushto Dadasi Samrajyam Rushto Harasi Tatkashanat ||

English Meaning:

O Lord, who is difficult to propitiate yet free from all material bondage and master of the self — when pleased, you bestow an entire kingdom of abundance; and when angered, you withdraw it in an instant.

हदिी अर्थ:

हे अतविक्र! आपकी आराधना कठनि है, कतिु आप भोगों से मुक्त और आत्म-वजियी हैं। जो आपको प्रसन्न कर लेता है उसे आप संपूर्ण साम्राज्य दे देते हैं और रुष्ट होने पर सब कुछ क्षण में हर लेते हैं।

॥ श्लोक 10 ॥

वरिञ्चिशक्रवष्णिूनां मनुष्याणां तु का कथा ।
तेन त्वं सर्वसत्त्वेन ग्रहराजो महाबलः ॥ 10 ॥

Transliteration:

Virinchishakravishnunam Manushyanam Tu Ka Katha |
Tena Tvam Sarvasattvena Graharajo Mahabalah ||

English Meaning:

When even Brahma, Indra and Vishnu are subject to your influence, there is nothing left to say about ordinary human beings. You are therefore the supreme king among all grahas, endowed with immeasurable power.

हदिी अर्थ:

जब ब्रह्मा, इंद्र और वष्णिु भी आपके प्रभाव से परे नहीं हैं, तो साधारण मनुष्यों की क्या बात! इसीलिए आप समस्त सत्त्वों में ग्रहराज हैं और महाशक्तशिाली हैं।

॥ श्लोक 11 ॥

पुत्रान्देहि धनं देहि त्वामस्मि शरणं गतः ।
ऋणदारद्र्यदुःखेन शत्रूणां च भयात्ततः ॥ 11 ॥

Transliteration:

Putrandehi Dhanam Dehi Tvamsmi Sharanam Gatah |
Rinadaridryaduhkhena Shatrunam Cha Bhayattatah ||

English Meaning:

O Lord, bless me with worthy progeny and wealth. I surrender completely at your feet. Please release me from the suffering of debt, poverty, and from the fear of enemies.

हदिी अर्थ:

हे प्रभु! मुझे संतान दीजिए, धन दीजिए। मैं आपकी शरण में हूं। ऋण के दुःख से, दरदि्रता से और शत्रुओं के भय से मुझे मुक्त करें।

॥ श्लोक 12 ॥ (अंतिम फलश्रुति)

एभिर्द्वादशभिः श्लोकैर्यः स्तौति च धरासुतम् ।
महतीं श्रियमाप्नोति ह्यपरो धनदो युवा ॥ 12 ॥

Transliteration:

Ebhirdvadasabhih Shlokairyah Stauti Cha Dharasutam |
Mahatim Shriyamapnoti Hyaparo Dhanado Yuva ||

English Meaning:

One who praises the Earth-born Lord Mangala with these 12 verses attains great prosperity and becomes like Kubera himself — ever youthful, wealthy, and abundant in all comforts.

हिंदी अर्थ:

जो भक्त इन 12 श्लोकों से धरासुत मंगल देव की स्तुति करता है, वह महान श्री को प्राप्त होता है और साक्षात कुबेर के समान धनवान और वैभवशाली बनता है।

॥ इति श्रीस्कन्दपुराणे भार्गवप्रोक्तं ऋणमोचकमङ्गलस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

प्रमुख संस्कृत शब्दों का अर्थ

संस्कृत शब्द	हिंदी अर्थ
ऋणहर्ता	ऋण को हरण करने वाले
धनप्रद	धन प्रदान करने वाले
भूमिपुत्र	पृथ्वी के पुत्र
महाकाय	विशाल देहधारी
लोहित	लाल वर्ण वाले
लोहिताक्ष	लाल नेत्रों वाले
कृपाकर	कृपा करने वाले
भूमिनंदन	पृथ्वी को आनंद देने वाले
अंगारक	अंगार जैसी दीप्ति वाले
सर्वरोगापहारक	सभी रोग नष्ट करने वाले
भक्तवत्सल	भक्तों पर वात्सल्य रखने वाले
ग्रहराज	ग्रहों के राजा
धरात्मज	पृथ्वी की आत्मा से उत्पन्न
सर्वकामफलप्रद	सभी कामनाओं का फल देने वाले

पाठ विधि और उत्तम समय

पाठ का उत्तम समय:
मंगलवार को प्रातःकाल स्नान के बाद, सूर्योदय से पूर्व या तत्काल बाद।

पाठ की संख्या:
मंगलवार को 11 बार। दैनिक पाठ के लिए 3 बार।

आसन और दिशा:
पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके लाल या पीले आसन पर बैठें।

पूजन सामग्री:
घी का दीपक, लाल पुष्प और लाल चंदन अर्पित करें।

आरंभ और समापन:
गणेश वंदना के बाद स्तोत्र पाठ करें। अंत में "श्री मंगलाय नमः" बोलकर प्रणाम करें।

विशेष अवसर:
भौम प्रदोष (मंगलवार का प्रदोष व्रत) पर पाठ अत्यंत फलदायक माना जाता है।

।। जय मंगल देव ।।